कविता

मेरी मीठी मोटी बीवी

– महेश दुबे

हमने अपनी डेढ़ टन वजनी पत्नी को
मीठी नजर से देखा और कराहते हुए बोले,

ओ मेरी इमरती !
एक काम क्यों नहीं करती ?

अपने हाथ का रसगुल्ला खा लो।
फिर जाकर ब्लड – शुगर टेस्ट करवा लो।।

मैं जानता हूँ कि तुम्हारे सारे शरीर में है चाशनी का वास।
इसीलिए तो तुम्हारे गले से टपकती है मिठास।।

ऊपर से तुम्हें हिलने – डुलने से है एलर्जी।
इतना फूल गई हो, कि
इलाका छोड़कर भाग गये हैं सारे दर्जी।।

यह सुनकर पत्नी ने अखिरी रसगुल्ला खाया।
और कटोरा धोने का ईशारा करते हुए हमारी ओर सरकाया।।

फिर जुबान खोली और बोली।
मेरे मायके में मिलता था पौष्टिक खाना तो ठीक थी फिगर।।
तुम्हारे यहाँ तो 'जंक फूड' का ही होता है लंच और डिनर।

अगर यहाँ भी मैं पौष्टिक आहार खाती।
तो ये नौबत ही ना आती।।

अब तो सूख गया है सारा पानी, बची है केवल रेत!
अब पछताये होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत !!